DR Krishnadeo kumar bharti
Assistant professor (G.T)
C.M.j College Donwarihat
Khutauna, Madhubani
Email---Kdkbharti08@gmail.com
B.A Part---3Date------28-05-2020
Mo.No-----9234999361

भारत की गुट निरपेक्षता की निति की आलोचनात्मक विवेचना करें। *(Discuss critically India's policy of non alignment.)*

गुटनिरपेक्षता भारतीय विदेशनीति का एक महत्वपूर्ण आधार है।भारतीय विदेशनीति को गुट निरपेक्षता का आधार प्रदान करने में प्रमुख हाथ पंडित जवाहरलाल नेहरु और कुछ हद तक श्री कृष्ण मेनन का स्थान रहा है।पंडित नेहरू ने स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत किसी शक्ति गुट में सम्मिलित नहीं होगा और गुट निरपेक्षता भारतीय विदेशनीति की प्रमुख विशेषता होगी।

गुट-निरपेक्षता का अर्थ--इसके अर्थो के सम्बन्ध में कुछ महत्वपूर्ण परिभाषाएँ इस प्रकार है---

प्रो.हिरेन मुखर्जी के अनुसार---- "गुट निरपेक्षता का अर्थ किसी के प्रति शत्रुता का न होना, प्रतियोगी शक्ति गुटों से जान बूझकर दूर रहना, अन्तर्राष्ट्रीय विषयों के गुटों का आधार पर निर्णय करने और इस निर्णय के आधार पर काम करने की स्वतंत्रता का अस्तित्व होता है।"

श्री के.जे.होल्सटी के अनुसार----गुट निरपेक्षता का अर्थ यह है कि कोई राज्य अपनी सैनिक योग्यताओं और किसी अन्य राष्ट्र के उद्देश्य के लिए अपने कूटनीति के समर्थन सम्बन्धी वचनबद्ध नहीं होगा और न ही वह सैनिक समझौते रूपी सम्बन्ध स्थापित करने के लिए प्रयत्न करेगा।

गुट निरपेक्षता की नीति की व्यख्या करते हुए पंडित जवाहर लाल नेहरू ने कहा था--जब हम यह कहते है कि हमारी नीति है तो इसका स्पष्ट भाव यह होता है कि हम किसी सैनिक गुट में सम्मिलित नहीं है।यह कोई निषेधात्मक नीति नहीं है अपितु यह एक सकारात्मक, निश्चित और गतिशील नीति है, परन्तु जहाँ तक सैनिक गुटों और शीतयुद्ध का सम्बन्ध है, हम अपने आप को किसी गुट के साथ नहीं जोड़ते हैं।
श्री कृष्ण मेनन का कहना था कि वास्तव में असंलगनता शब्द को भारत के विदेश नीति के लिए सर्वप्रथम उन्होंने ही प्रयुक्त किया था।उनके अनुसार, जब संयुक्त राष्ट्र संघ में हमारी तटस्थता का मजाक उड़ाया जाने लगा तो मैंने कहा-हम तटस्थ नहीं असंलगन हैं।वास्तव में प्रधानमंत्री नेहरू को पहले ये शब्द अधिक पसन्द नहीं आया, परन्तु शीघ्र ही यह शब्द चल निकला।

भारतीय गुट निरपेक्षता का स्वरूप या विशेषताएँ----

1. गुटनिरपेक्षता की नीति निरपेक्षता या उदासीनता की नीति नहीं है।
स्विट्जरलैंड और आस्ट्रेलिया दो ऐसे देश हैं जो विशुद्ध और कठोर रूप से निष्पक्षता नीति का पालन करते हैं।निष्पक्ष देश और गुट निरपेक्ष देश में सैद्धान्तिक और व्यवहारिक अंतर होते है।निष्पक्ष देशों की निष्पक्षता अन्य देशों के द्वारा भी स्वीकार की जाती है और कोई अन्य देश निष्पक्ष देश के विरुद्ध साधरणतया सैनिक कार्यवाही नहीं करता है।निष्पक्ष देश अन्तर्राष्ट्रीय विषयों की धटनाओं के सम्बन्ध मे पूर्णतया निर्लेप रहते है और वे किसी अन्तर्राष्ट्रीय धटना या विषय के सम्बन्ध में अपने विचार अभिव्यक्त नहीं करते, परन्तु ऐसे प्रतिबंध गुट निरपेक्ष देशों के प्रति क्रियान्वित नहीं होते।
2. यह निषेधात्मक नीति नहीं है-- गुट निरपेक्षता के इस पक्ष को ही स्पष्ट करते हुए पंडित नेहरू ने कहा था "मैं इसको स्पष्ट करना चाहूँगा कि जो नीति भारत ने ग्रहण की थी वह नीति निषेधात्मक और निरपेक्ष नीति नहीं है।यह सकारात्मक और महत्वपूर्ण नीति है जब मनुष्य की स्वतंत्रता और शांति खतरे में होगी।हम न तो निरपेक्ष रह सकते हैं और न ही रहेंगे।

3. स्वतंत्र निर्णय लेने की नीति---- गुटनिरपेक्षता की नीति ने भारत को अन्तर्राष्ट्रीय विषयों के सम्बन्ध में स्वविवेक से निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रदान की है।इस नीति के कारण भारत रुसी या अमेरिकी गुट के आदेशों या इच्छा के अनुसार निर्णय लेने के लिए कटिबद्ध नहीं है।

4. गुट-निरपेक्ष देशों की गुटबन्दी नहीं--- गुटनिरपेक्षता का अर्थ यह नहीं है कि गुट निरपेक्ष देशों का एक अपना पृथक गुट हो ।यदि ऐसी स्थिति हो तो फिर विश्व राजनीति में इन राष्ट्रों के नये गुट का अस्तित्व माना जायेगा।

*5.*तर्कशीलता की नीति----गुटनिरपेक्षता वास्तव में तर्कशीलता की नीति है।इसका अर्थ यह है कि अंधविश्वासी श्रद्धालु के समान किसी महाशक्ति या गुट समूह का पिछलग्गू बनने से दूर रहना और अपनी तर्कशीलता के आधार पर किसी अन्तर्राष्ट्रीय विषय के संदर्भ में निर्णय करना।

आलोचना--
आलोचकों का यह मत है कि अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में भारत की गुट निरपेक्षता की नीति अधिक सफल नहीं हुई है।अमेरिकी समर्थक देश में यह संदेश व्यक्त करते है कि भारत अन्तर्राष्ट्रीय विषयों के सम्बन्ध में हमेशा रूसी गुट का समर्थन करता है।कुछ आलोचक यह भी कहते है कि भारत अपनी इस नीति द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अधिक देशों को अपना मित्र नहीं बना पाया।
उपर्युक्त अध्ययनों के आधार पर इसमे संदेह नहीं है कि गुट निरपेक्षता की नीति की आलोचना का आधार कुछ सही है, लेकिन विश्व की समूची स्थिति को लेकर अपने देश के सामूहिक हितों को ध्यान में रखकर हमें कहने मे कोई संकोच नहीं है कि भारत के लिए गुटनिरपेक्षता की नीति हर पक्ष से उचित और तर्कशील नीति है।

आगे, धन्यवाद।

2020-05-28
© From vivo Note

Scanned with CamScanner